

#### असाधारण

## **EXTRAORDINARY**

भाग II-खण्ड 3-इपलण्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित

### PUBLISHED BY AUTHORITY

₹o 122]

नई दिल्ली, बुघवार, ग्रप्रैल 13, 1977/चेत्र 23, 1899

No. 122]

NEW DELHI, WEDNESDAY, APRIL 13, 1977/CHAITRA 23, 1899

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती हैं जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सर्व । Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

#### DEPARTMENT OF REVENUE AND BANKING

(Revenue Wing)

NOTIFICATION

CENTRAL EXCISES

New Delhi, the 13th April 1977

G.S.R. 183(E).—In exercise of the powers conferred under rule 139 of the Central Excise Rules, 1944, and in supersession of the notification of the Government of India, Department of Revenue and Banking No 293/76 CE, dated 21st December, 1976, the Central Government hereby directs that the provisions of Chapter VII of the said rules, including the provisions relating to the removal of goods from one warehouse to another, shall apply to unmanufactured tobacco falling under sub-item-1 of Item 4 of the First Schedule to the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944), subject to the condition and limitation that the number of removals of such goods from one warehouse to another shall not exceed three after the first warehousing:

Provided that the condition and limitation regarding the number of removals of such goods from one warehouse to another shall not apply to Virginia variety of unmanufactured tobacco in leaf form:

Provided further that the removal of tobacco from one warehouse to another warehouse for the purpose of affixing 'Agmark' or for processing or treatment and return, if any, to the first warehouse, or removal from one warehouse of a cigalette manufacturer to another warehouse belonging to the same manufacturer in the same city or town shall be excluded while computing the number of movements for the purpose of this notification:

Provided also that in respect of unmanufactured tobacco first warehoused prior to 1st April, 1977, if three or more removals within the meaning of this notification, have already taken place, one more removal shall be allowed.

[No. 63/77]

S. K. BHARDWAJ, Under Secy.

# राजस्य ग्रीर बंकिंग विभाग

(राजस्य खण्ड)

प्रिधसूचना

# केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क

नई दिल्ली, 13 ग्रप्रैल, 1977

सा० का० कि० 183 (श्र) — केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 के नियम 139 द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए श्रीर भारत सरकार के राजस्य श्रीर बैंकिंग विभाग की ग्रिधिसूचना संख्या 293'76-के० उ०, तारीख 21 दिसम्बर, 1976 को ग्रिधिकांत करते हुए, निदेश करती हैं कि उनत नियमों के ग्रध्याय 7 के उपबन्ध, जिनमें एक भाण्डागार से दूसरे को माल का हटाये जा । सम्बन्धी उपजन्ध भी ग्रा । हैं; केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क श्रीर नमक ग्रिधिनियम, 1944 (1944 का 1) की प्रथम ग्रनुसूची की मद पं० 4 की उपमद I में सम्मिलत ग्रविनिर्मित तम्बाकू की इस शर्त श्रीर परिसीमा के श्रधीन लागू होंगे कि ऐपे माल को एक भाण्डागार से दूसरे को प्रथम भाण्डागारण के पश्चात् तीन से श्रधिक बार नहीं हटाया जा सकेगा

परन्तु ऐसे माल के एक भाण्डागार से दूसरे भाण्डागार को हटाये जाने की शर्ते धौर परिसीमा श्रविनिर्मित तम्बाकृ ही वरजीनिया किस्म की पत्ती के रूप में तम्बाकू को लागू नही होगी:

परन्तु यह श्रीर कि 'एगमार्ग' लगाने के प्रयोजन के लिए, या प्रसंस्करण या संसाधन के लिए, तम्बाह् का एक भाण्डागार ने दूसरे भाण्डागार को हट या जाना, श्रीर पहले भाण्डागार को उसकी बाप ही यदि का जाए तो, श्रथवा एक ही साहर या नगर में तम्बाक् का एक ही सिगरेट विनिर्माता के एक भाण्डागार से दूसरे भाण्डागार को हट या जाना, श्रीवसूचना के प्रयोजन के लिए संचलनो की संख्या की गणना करते समय श्रथवर्जित कर दिया जाएगा।

परन्तु यह श्रौर भी कि 1 श्रप्रैल, 1977 से पूर्व प्रथम भाण्डागारित श्रविनिर्मित तस्वाकू के सबंघ में यदि इस श्रिष्ठसूचना के श्रर्थ में तीन या श्रिष्ठक संलिम हो चुके हों तो एक बार श्रौर हटाये जाने की श्रनुजा दी जाएगी।

[ € 63/77]

एस० के० भारद्वाज, प्रवर सचिव।

महा प्रबन्धक, भारत सरकार मृद्रणालय, मिन्टी रोड, नई दिल्ली द्वारा मृद्रित तथा नियंत्रक, प्रकाशन विभाग, दिल्ली द्वारा प्रकाशित 1977

PRINTED BY THE GENERAL MANAGER, GOVERNMENT OF INDIA PRESS, MINTO ROAD, NEW DELHI AND PUBLISHED BY THE CONTROLLER OF PUBLICATIONS, DELHI, 1977